आमोखस व मिडिया की खबरों व प्रथम समाचार पत्र

RNI No. UPHIN/2012/47484

जननायक सम्राट

बर्ष :13 अंक :418 पृष्ठ -4 दिनांक 05 मार्च 2025 दिन बुधवार

रमजान के बीच यूपी में लाउडस्पीकर उतारने के मामले में बोलीं मायावती

मुसलमानों के साथ हो रहा सौतेला व्यवहार

बहुजन समाज पार्टी से भतीजे आकाश आनंद को बाहर का रास्ता दिखाने के बाद बसपा सुप्रीमो मायावती फुल एक्शन मोड में नजर आ रही है. बसपा सुप्रीमो ने अब रमजान में लाउडस्पीकर उतारे जाने की कार्रवाई पर तीखी प्रतिक्रिया दी है. उन्होंने इसे मुस्लिमों के साथ सौतेला व्यवहार करार दिया और कहा कि सरकार को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के साथ एक जैसा बर्ताव करना चाहिए. बसपा सुप्रीमो ने इससे आपसी सौहार्द बिगड़ने की भी संभावना जताई और कहा कि सरकार को इस पर ध्यान देना चाहिए. बसपा सुप्रीमो मायावती ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर रमजान के दौरान लाउडस्पीकर उतारने के अभियान पर बयान दिया और कहा कि श्भारत सभी धर्मों को सम्मान देने वाला धर्मनिरपेक्ष देश है. ऐसे में केन्द्र व राज्य सरकारों को बिना पक्षपात के सभी धर्मों के मानने वालों के साथ एक जैसा

बर्ताव करना चाहिए, किन्तु अब मुसलमानों के साथ धार्मिक मामलों में भी जो सौतेला रवैया अपनाया जा रहा है, यह न्यायसंगत नहीं.श्उन्होंने आगे लिखा- साथ ही, सभी धर्मों के पर्व-त्योहारों आदि को लेकर पाब. न्दियाँ व छूट से सम्बंधित जो नियम-कानून हैं उन्हें बिना पक्षपात एक जैसा लागू होना चाहिए, जो ऐसा होता हुआ नहीं दिख रहा है. इससे समाज में शान्ति व आपसी सौहार्द बिगड़ना स्वाभाविक, जो अति-चिन्तनीय। सरकारें इस ओर जरूर ध्यान दें.दरअसल यूपी में इन दिनों धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाए जाने का अभियान चल रहा है. जिसके तहत सभी धार्मिक स्थलों से तय मानकों से अधिक आवाज में चलने वाले लाउडस्पीकरों को हटाया जा रहा है. पुलिस इस नियम को सख्ती से लागू करवा रही है. वहीं लाउडस्पीकर को लेकर मुस्लिम धर्मगुरुओं ने सरकार से रियायत देने की मांग की है. ऑल इंडिया मुस्लिम जमात के राष्ट्रीय अध्यक्ष मौलाना शहाबुद्दीन रजवी ने कहा कि रमजान महीने में इफ्तार व सहरी के वक्त में एलान की जरूरत होती है. ऐसे समय में लाउडस्पीकर नहीं बजने की वजह से लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है. सरकार इस महीने में थोड़ी रियायत दे तो बेहतर हो सकता है.

संभल जामा मस्जिद में रंगाई पुताई, मरम्मत का काम . होगा या नहीं? 10 मार्च को आ सकता है फैसला

संभल की शाही जामा मस्जिद में रंगाई पुताई, मरम्मत और लाइटिंग से जुड़े कामों को कराए जाने की इजाजत दिए जाने की मांग से जुड़े मामले में 4 मार्च, मंगलवार को इलाहाबाद हाईकोर्ट में जस्टिस रोहित रंजन अग्रवाल की सिंगल बेंच में सुनवाई हुई. इस दौरान मुस्लिम पक्ष यानी मस्जिद कमेटी ने ऑर्कियोलॉजिकल सर्वे आफ इंडिया की रिपोर्ट पर अपनी लिखित आ. पत्ति दर्ज की.आर्कियोलॉजिकल सर्वे ऑफ इंडिया ने मुस्लिम पक्ष की आपत्ति पर अपना जवाब दाखिल करने के लिए अदालत से मोहलत मांगी है. जिस पर हाईकोर्ट ने ीP को जवाब दाखिल करने के लिए पांच दिनों की मोहलत दी है. हा. ईकोर्ट इस मामले में अब 10 मार्च को सुनवाई करेगा.अदालत में आज हिंदू पक्ष की तरफ से भी हलफनामा दाखिल किया गया. हालांकि हिंदू पक्ष मस्जिद कमेटी की आपत्ति पर अपना एक और जवाब 10 मार्च को दाखिल करेगा. आज की सुनवाई में यूपी सरकार की तरफ से भी कोर्ट में पक्ष रखा गया.यूपी सरकार की तरफ से एडवो. केट जनरल ने बताया कि मौके पर कानून व्यवस्था को लेकर कोई दिक्कत नहीं है. कानून व्यवस्था कायम रखने को लेकर सभी जरूरी कदम पहले से ही उठाए गए हैं.मुस्लिम पक्ष ने अपनी लिखित आपत्ति में ीP की रिपोर्ट से असहमति जताई है. कहा गया है कि मस्जिद में हर साल रमजान से पहले रंगाई पुताई कराई जाती है. मरम्मत के काम कराए जाते हैं. इस बार भी रंगाई पुताई बेहद जरूरी है. कुछ नई जगहों पर लाइट भी लगाई जानी है. मस्जिद कमेटी ने रंगाई पुताई और मरम्मत को जरूरी बताया है.हालांकि हिंदू पक्ष की तरफ से दाखिल किए गए हलफनामे में ीP की रिपोर्ट का समर्थन किया गया है. कहा गया है कि मस्जिद कमेटी ढांचे से छेड़छाड़ करने के लिए रंगाई पुताई चाह रही है. .संभल की शाही जामा मस्जिद में रंगाई पुताई, मरम्मत और लाइटिंग के काम की इजाजत दिए जाने की मांग को लेकर मस्जिद कमेटी ने पिछले दिनों याचिका दाखिल की थी. हिंदू पक्ष की तरफ से भी यह कहा गया है कि मरम्मत और पुताई होने से ढांचे को नुकसान हो सकता है. इलाहाबाद हाईकोर्ट ने पिछली सुनवाई में साफ सफाई कराए जाने की मांग को मंजूरी दे दी थी. 2 मार्च से रमजान का पाक महीना शुरू हो चुका है. मस्जिद कमेटी ने रमजान शुरू होने से पहले रंगाई पुताई की इजाजत मांगी थी.कोर्ट ने रमजान के महीने में रोजेदारों कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए सिर्फ साफ सफाई की मांग को मंजूर किया है. मस्जिद कमेटी ने इससे पहले संभल के डीएम को लेटर देकर ीP से रंगाई पुताई की इजाजत दिए जाने की मांग की थी.ीP ने इस मामले में मस्जिद कमेटी को इजाजत नहीं दी थी. इसके बाद इलाहाबाद हाईकोर्ट में याचिका दाखिल कर रंगाई पुताई की इजाजत मांगी गई थी.28 फरवरी को हुई पिछली सुनवाई में मस्जिद कमेटी को फौरी राहत मिली थी. मस्जिद में रंगाई पुताई और मरम्मत का काम होगा या नहीं, इस पर 10 मार्च को अदालत का फैसला आ सकता है.

मथुरा-वृंदावन ही नहीं, यूपी की इन 5 जगहों की होली भी है मशहूर...लिस्ट में प्रयागराज का नाम भी शामिल

उत्तर प्रदेश में होली की अलग ही धूम देखने को मिलती है। होली के त्योहार पर रंगों के साथ भक्ति और उत्साह भी अपने चरम पर होता है। मथुरा-वृंदावन की होली के बारे में बारे में सभी जानते हैं, लेकिन यूपी के कई अन्य शहर भी रंगों के त्योहार के लिए प्रसिद्ध हैं। ऐसे तो हमारे देश में हर त्योहार को अलग-अलग जगह पर खास रस्मों और तरीकों से मनाया जाता है। यही वजह है कि आज हम इस आ. र्टिकल में यूपी की अलग-अलग जगहों की प्रसिद्ध होली के बारे में बताने जा रहे हैं।मथुरा-वृंदावन की तरह ही उत्तर प्रदेश के बनारस की होली भी प्रसिद्ध है। जी हां, बनारस जिसे काशी या वाराणसी भी कहा जाता है यहां पर गंगा घाटों पर रंगभरी एकादशी के दिन होली की अलग ही छटा देखने को मिलती है। इस होली को काशी विश्वनाथ की पारंपरिक होली भी कहा जाता है। इस दिन पहले गंगा की आरती की जाती है और फिर रंग खेला जाता है।काशी की मसान होलीरंगभरी एकादशी के अगले दिन काशी में मसान की होली खेली जाती है। जी हां, काशी यानी बनारस के प्रसिद्ध और प्राचीन घाट मणिकर्णिका और हरिश्चंद्र पर अघोरी और घाट निवासी महाश्मशान की होली यानी मसान की होली खेलते हैं। मसान की होली के अनोखे और प्रसिद्ध होने के पीछे की वजह यह है कि इसे जलती चिताओं के बीच भस्म से खेला जाता है।लखनऊ की होलीलखनऊ की होली भी अनोखी होती है। रंगों के त्योहार पर नवाबों के जमाने से होली की सवारी निकलती है, जिसमें करीब दो किलोमीटर तक हाथी, घोड़ा, ऊंट आदि की सवारी निकलती है। इस सवारी की साथ ढोल भी मौजूद होता है, जिसकी ताल पर लोग नाचते और रंगों का त्योहार मनाते हैं।प्रयागराज की होलीप्रयागराज यानी संगम की नगरी में होली का त्योहार एक दिन का नहीं, बल्कि तीन दिन का होता है। जी हां, पहले दिन प्रयागराज में रंग यानी गुलाल उड़ाकर होली खेली जाती है और दूसरे दिन रंग के साथ कपड़ा फाड़ होली खेली जाती है। इस दिन सड़क पर होलियारों की टोली निकलती है और वह किसी का भी कपड़ा फाड़ कर रंग खेलते हैं। प्रयागराज की इस कपड़ा फाड़ होली को लोकनाथ की होली भी कहा जाता है। ऐसा माना जाता है कि लोकनाथ की होली में देश के पहले प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, महाकवि निराला समेत कई राजनेता और साहित्यकार शामिल होते थे। इसे मथुरा-वृंदावन के बाद यूपी की दूसरी बड़ी होली माना जाता है।

आगरा की होली

आगरा में सिर्फ ताजमहल ही नहीं, यहां की होली भी फेमस है। हर साल आगरा में होली के त्योहार पर अलग-अलग और भव्य समारोह आयोजित किए जाते हैं। जिनमें से कई समारोह में चमकीले रंगों से होली खेली जाती है।हमीरपुर की होली उत्तर प्रदेश के हमीरपुर में होली पर 300 साल पुरानी परंपरा निभाई जाती है। इस परंपरा में गांव की महिलाएं एक साथ राम जानकी मंदिर से बारात निकालती हैं और कमाल की बात यह है कि इसमें एक भी पुरुष शामिल नहीं होता है। महिलाएं होली का आनंद लेती हैं और फिर दूल्हा बारात निकाली जाती है। जिसमें एक व्यक्ति को घोड़े पर बैठाया जाता और बैंड बाजा के साथ बारात निकलती है। बारात के बाद महिलाएं दूल्हे को टीका लगाती हैं और फिर पूरे गांव में रंग खेला जाता है।

पदोन्नति की पत्रावलियां गायब, डीडीओ दफ्तर का प्रधान सहायक निलंबित

बरेली : करीब 19 साल पहले हुई पदोन्नति की फाइल गायब होने के मामले में डीडीओ (जिला विकास अधिकारी) के दफ्तर के प्रधान सहायक हरीश गंगवार को सीडीओ जगप्रवेश ने निलंबित कर दिया गया है। प्रधान सहायक से स्पष्टीकरण लेने के बाद संतुष्ट नहीं होने पर कार्रवाई की गई।. बताया जाता है कि 2006 में विभाग में तीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों की पदोन्नति कर उन्हें तृतीय श्रेणी कर्मचारी बनाया गया था। उस वक्त यह काम हरीश गंगवार देख रहे थे। जनवरी 2025 में भोजीपुरा ब्लॉक के पत्रवाहक नदीम अहमद की ओर से नियमों का हवाला देते हुए पदोन्नति की मांग की गई। इस पर 2006 में किस तरह से तीन कर्मचारियों की पदोन्नति की गई थी, यह जानने के लिए कि उन पत्रावलियों की मांग की गई, लेकिन काफी खोजबीन के बाद पत्रावली नहीं मिल सकी।पत्रावली गायब होने का मामला सीडीओ के संज्ञान में पहुंचा। उन्होंने इससे संबंधित कई लोगों को नोटिस जारी कर जवाब मांगा। प्रधान सहायक हरीश गंगवार की ओर से दिए गए जवाब से अधिकारी संतुष्ट नहीं हुए। प्रथम दृष्टया प्रधान सहायक को ही जिम्मेदार माना गया। इसके बाद सीडीओ ने प्रधान सहायक को निलंबित कर दिया।

यूपी में रंग लाई सीएम योगी आदित्यनाथ की मुहिम, . इस लिस्ट में हासिल किया पहला स्थान

उत्तर प्रदेश में डॉल्फिन मछली को लेकर सीएम योगी आदित्यनाथ ने खास मुहिम चलाई है. जिसका असर भी अब दिखाई दे रहा है. यूपी में पिछले कुछ समय में डॉल्फिन मछलियों की संख्या में तेजी से बढ़ोतरी हुई है. इस दौरान न सिर्फ डॉल्फिन की संख्या ढ़ी बल्कि यूपी इस लिस्ट में सबसे टॉप पर पहुंच गया है. प्रदेश की नदियों में सबसे ज्यादा डॉल्फिन मछली हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में सोमवार को गुजरात के गिर राष्ट्रीय उद्यान में राष्ट्रीय वन्य जीव बोर्ड की सातवीं बैठक हुई जिसमें इस पर मुहर लगाई गई है. इस बैठक में पीएम मोदी ने देश में पहली बार नदियों में मौजूद डॉल्फिन की संख्या का अनुमान रिपोर्ट जारी की है. इस रिपोर्ट के मुताबिक की तमाम नदियों में इस समय कुल 6,327 डॉल्फिन हैं. जिनमें सबसे ज्यादा मछलियां उत्तर प्रदेश की नदियों में हैं. यूपी की नदियों में सबसे ज्यादा डॉल्फिन इस रिपोर्ट में डॉल्फिन मछली की सबसे ज्यादा संख्या के मामले में यूपी को पहला स्थान मिला है. दरअसल संबंधित विभाग के द्वारा 8 राज्यों की 28 नदियों का सर्वेक्षण किया गया. इन आठ राज्यों में उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, बिहार, असम जैसे राज्य शामिल हैं. उस सर्वेक्षण में 8500 किमी से अधिक क्षेत्र को कवर करने के लिए 3150 दिन का समय लगा. इस सर्वेक्षण रिपोर्ट क मुताबिक यूपी की नदियों में सबसे ज्यादा डॉल्फिन मछली पाई गई हैं. जिनकी संख्या करीब 2,397 तक बताई गई है. जबकि दूसरे नंबर पर बिहार का स्थान हैं. बिहार की नदियों में 2220 डॉल्फिन की गिनती की गई. तीसरे नंबर पर पश्चिमी बंगाल रहा, यहां कुल 815 डॉल्फिन और चौथे नंबर 635 डॉल्फिन के साथ असम को स्थान मिला है. बता दें कि उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार द्वारा वन और पर्यावरण के साथ जलीय जीव जंतुओं के सरंक्षण के लिए बड़े स्तर पर काम किया जा रहा है. डॉल्फिन के सरंक्षण के लिए गांगेय डॉल्फिन को राज्य का जलीय जीव भी घोषित किया है और अब इस रिपोर्ट के सामने आने बाद कहा जा सकता है कि सीएम योगी का ये प्रयास भी सफल होता दिख रहा है.

होली से ईद तक मार्च महीने में छुट्टियों की भरमार, जानें- कब और किस दिन की रहेगी छुट्टी?

साल 2025 के दो महीने गुजर चुके हैं और मार्च महीना शुरू हो गया है. इस महीने में होली से लेकर ईद जैसे कई त्योहार आने वाले हैं ऐसे में हर किसी के मन में इस महीने में छुट्टियों को लेकर उत्सुकता देखी जा रही है. ऐसे में अगर आपको जानना है कि इस महीनों में यूपी के स्कूलों में कितनी छुट्टियां रहेंगे तो इसके लिए एक बार यूपी में छुट्टियों के कैलेंडर पर नजर जरूर डालनी चाहिए. आईए आपको बतातें कि मार्च में कब और कितनी छुट्टियां रहने वाली हैं. उत्तर प्रदेश में मार्च महीने में होली का त्योहार आने वाले है. इस साल रंगों को त्योहार होली 13 और 14 मार्च को मनाया जाएगा. 13 मार्च को होलिका दहन होना है, इस बार होलिका दहन पर भी छुट्टी रहने की संभावना है. वहीं 14 मार्च को रंगों वाली होली मनाई जाएगी, जब लोग बसंत ऋतु के आगमन पर अच्छाई की बुराई पर जीत का त्योहार मनाते हैं. इस दिन तो वैसे ही देशभर में छुट्टी रहती है. यानी स्कूलों में 13 और 14 मार्च को छुट्टी रह सकती है. मार्च महीने में रमजान का पर्व भी शुरू हो गया है. रमजान खत्म होने के बाद ईद उल फितर आती है. जो कि एक राजकीय त्योहार होता है. इस दिन भी सभी स्कूल कॉलेजों से लेकर सरकारी दफ्तर और ऑफिस बंद रहेंगे. 31 मार्च को ईद के मौके पर छुट्टी रहेगी. इसकी जानकारी यूपी सरकार की ओर से दी गई है. वहीं मार्च महीने में छात्र वीकेंड का मजा भी ले सकते हैं. इस महीने में इस बार 5 रविवार (2,9,16,23,30) आने वाले हैं. पांच रविवार के साथ इस बार 5 शनिवार भी है. यूपी के कई स्कूलों में शनिवार के दिन भी अवकाश रहता है. ऐसे में मार्च का महीना छात्रों के लिए छुट्टियों से भरा रहने वाला है. ऐसे में अगर मार्च में इस बार छात्रों को 5 रविवार की और 3 आधिकारिक छुट्टी मिलकर ही रहेगी.

होली से पहले योगी सरकार ने किए 8 आईपीएस अफसरों के तबादले

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने मंगलवार को भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) के आठ अधिकारियों का तबादला कर दिया है। आधिकारिक प्रवक्ता ने बताया कि वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में संयुक्त पुलिस आयुक्त डॉ. के एजिल रसन को यूपी 112 का पुलिस महानिरीक्षक बनाया गया है वहीं एटीएस लखनऊ के पुलिस उपमहानिरीक्षक मनोज कुमार सोनकर को पीएसी अनुभाग वाराणसी में पुलिस उपमहानिरीक्षक के पद पर भेजा गया है।सतर्कता अधिष्ठान लखनऊ में पुलिस अधीक्षक शगुन गौतम के एपीटीसी सीतापुर पुलिस अधीक्षक के पद पर भेजा गया है। उन्होने बताया कि कानपुर पुलिस कमिश्नरेट में पुलिस उपमहानिरीक्षकध्पुलिस उपायुक्त राजेश कुमार सिंह को डा एजिलरसन के स्थान पर वाराणसी पुलिस कमिश्नरेट में संयुक्त पुलिस आयुक्त बनाया गया है। पुलिस महानिदेशक मुख्यालय में प्रतीक्षारत पुलिस उपमहानिरीक्षक देवरंजन वर्मा का ट्रांसफर पुलिस उपमहानिरीक्षक नियम एवं ग्रंथ के तौर पर किया गया है।प्रवक्ता ने बताया कि पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर मे पुलिस उपायुक्त आशीष श्रीवास्तव का तबादला इसी पद पर लखनऊ कमिश्नरेट में किया गया है। लखनऊ कमिश्नरेट में पुलिस उपायुक्त अपर्णा गुप्ता का तबादला पुलिस अधीक्षक लखनऊ मुख्यालय में किया गया है। पुलिस कमिश्नरेट आगरा में पुलिस उपायुक्त सूरज कुमार राय का तबादला सेनानायक छठवीं वाहिनी पीएसी मेरठ के पद पर किया गया है। 1- डॉ. के एजिल रसन- पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) डायल 112 लखनऊ2- मनोज सोनकर - पुलिस उपमहानिरीक्षक (क्ष्ळ) पीएसी वाराणसी सेक्टर3- शगुन गौतम- पुलिस अधिक्षक (एसपी) पीटीसी सीतापुर4- राजेश कुमार सिंह- ज्वॉइंट सीपी, वाराणसी5- देवरंजन वर्मा - पुलिस उपमहानिरीक्षक (डीआईजी) रूल मैनुअल बने6- आशीष श्रीवास्तव - पुलिस उपायुक्त DCP पुलिस कमिश्नरेट, लखनऊ7- अपर्णा गुप्ता - डीजीपी हेडक्वार्टर से अटैच 8 सूरज कुमार राय - सेनानायक 6 वाहिनी PAC मेरठ

अलीगढ़ में आवारा पशुओं का आतंक लोगों के लिए बड़ी समस्या बना

अलीगढ़ : अलीगढ़ में आवारा पशुओं का आतंक लोगों के लिए बड़ी समस्या बन गया है. टप्पल क्षेत्र के सिमरौठी गांव में आवारा सांड ने एक दिन में आधा दर्जन लोगों पर हमला कर दिया. इस हमले में कछ लोगों की हड्डियां टूट गईं, कुछ को गंभीर चोटें आई हैं. घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है.सिमरौठी गांव की कमलेश देवी ने बताया कि सांड ने उन पर अचानक हमला कर दिया और अपने सींगों से उठाकर पटक दिया. जब उनका बेटा उन्हें बचाने आया, तो सांड ने उसे भी दौड़ा लिया. इसी तरह कौशल कुमार खेत में आलू खोदाई में लगे थे, उन पर भी सांड ने हमला कर दिया. वह गंभीर रूप से घायल हो गए. गांव के लोगों के अनुसार, सड़कों और खेतों में करीब 50 से ज्यादा आवारा मवेशी घूम रहे हैं, जो कभी भी हमला कर देते हैं. गांव के कई लोग डर के कारण घरों से बाहर निकलने से घबरा रहे. घटना को लेकर एसडीएम खैर महिमा राजपूत ने कहा कि विशेष अभियान के तहत आवारा मवेशियों को पकड़ने की कार्रवाई शुरू करने के निर्देश दिए गए हैं. हालांकि, ग्रामीणों का कहना है कि प्रशासन की सुस्ती के चलते यह अभियान केवल कागजों तक ही सीमित रह जाता है. इलाके के लोगों ने प्रशासन से आवारा जानवरों के खिलाफ सख्त कदम उठाने की मांग की है. ग्रामीणों का कहना है कि यदि जल्द ही कोई ठोस उपाय नहीं किया गया, तो वे सड़क पर उतरकर विरोध प्रदर्शन करेंगे.

इफ्तार के दस्तरखान के "हुजूर" होते खजूर, कीमतों में उछाल, बिक रहे 150 से लेकर 15000 प्रति किलो

अलीगढ़ :खजूर से रोजा खोलने को सुन्नत माना जाता है। इस बार खजूर की कीमतें भी बढ़ी हैं। कीमत 150 रुपये से लेकर 15000 हजार रुपये प्रति किलो तक है। कीमिया 300, बराठी 500, अम्बर 1400, जम्बू 500, मरियम 300 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। अच्छे अजवा खजूर की कीमत 2000 रुपये प्रति किलो शुरू होती है।रोजे में खजूर की अहमियत बढ़ जाती है। इफ्तार के वक्त दस्तरखान पर खजूर की भूमिका में होता है। शहर के ऊपरकोट, जमालपुर, जकरिया मार्केट, दोदपुर, केला नगर, सिविल लाइंस, शाहजमाल सहित अन्य इलाकों में अलग–अलग प्रजाति के खजूर बिक रहे हैं।इन खजूर की कीमत 150 रुपये से लेकर 15000 हजार रुपये प्रति किलो तक है। खजूर विक्रेता अनस ने बताया कि कीमिया 300, बराठी 500, अम्बर 1400, जम्बू 500, मरियम 300 रुपये प्रति किलो बिक रहे हैं। अच्छे अजवा खजूर की कीमत 2000 रुपये प्रति किलो शुरू होती है।अजवा खजूर सबसे ज्यादा पसंद किया जाता है। दरअसल अजवा खजूर के पेड़ को पैगंबर मोहम्मद साहब ने लगाया था। लोबाना, लुखरी और सगई प्रजाति के भी खजूर हैं।–डॉ. सालेहा जैनी खजूर से रोजा खोलना सुन्नत माना जाता है। बिना आग पर पकी चीजों से रोजा खोलना सुन्नत होता है। इसलिए खजूर को मुफीद माना गया है। पानी से भी रोजा खोला जा सकता है। – मुफ्ती प्रो. जाहिद खान, पूर्व अध्यक्ष, सुन्नी थियोलॉजी विभाग, एएमयू अनस ने बताया कि मिस्र, इराक, ईरान, सऊदी अरब सहित अन्य देशों में खजूर की पैदावार होती है। भारत के रा. जस्थान और गुजरात में भी खजूर की पैदावार होती है। भारत में दुबई, कुवैत, ओमान आदि से सबसे ज्यादा खजूर आते हैं। ईरान, अल्जीरिया, दक्षिण अफ्रीका भी खजूर के बड़े उत्पादक हैं।

कोतवाली मडराक पर होली त्यौहार व रमजान के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक

कोतवाली मडराक पर होली त्यौहार व रमजान के मद्देनजर पीस कमेटी की बैठक सोमवार के दिन अपराह्न हुई,जिसमें होली को शांतिपूर्ण तरीके से मनाने के विषय में चर्चा की गई ।विशेष उप–निरीक्षक धर्मपाल सिंह व सब इंस्पेक्टर सत्येंद्र पवार,अरविंद यादव ने कहा की होली त्यौहार व रमजान में शांति भंग करने वाले उपद्रवियों के बारे में यदि जानकारी मिले तो आप लोग पुलिस को सूचना दें। उन्होंने बताया कि हर हाल में होली का त्योहार शांतिपूर्ण तरीके से मनाया जाएगा । कोई नई परंपरा शुरू नहीं की जाएगी। होलिका दहन भी शांतिपूर्ण तरीके से किया जाएगा। और साथ ही बोर्ड एग्जाम के चलते लाउडस्पीकर या डीजे को निश्चित समय अवधि व सीमित ध्वनि में बजाने के लिए कहा जिससे बोर्ड परीक्षा के छात्रों को किसी तरह की असुविधा ना हो। इस मौके पर राजपाल सिंह गांधी जी,मोनू प्रधान, बिट्टू सिंह, ढाल सिंह कुशवाहा, मोहित प्रताप सिंह, विशाल शर्मा, संजय सिंह, उपेंद्र सिंह, डॉ सलीम शाह शकील, मुफ्तकीम, सलीम खान सत्यवीर सहित क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे।

डीएम की अध्यक्षता में पीएम आवास योजना शहरी के सफल क्रियान्वयन के लिए बैठक संपन्न

अलीगढ़ रू जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी)–2.0 के सफल क्रियान्वयन के संबंध में बैठक का आयोजन किया गया। डीएम ने कहा कि मा0 प्रधानमंत्री जी के संकल्प के तहत सभी पात्र एवं जरूरतमंदों के सिर पर छत का सपना साकार करने के लिए प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के द्वितीय चरण में पात्रों का चयन कर उनको प्राथमिकता से लाभान्वित किया जाना है। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा नगर निगम समेत अन्य नगर निकायों से पात्र लाभार्थियों की डीप. ीआर तैयार कर भेजे जाने के निर्देश प्राप्त हुए हैं, जिसके क्रम में शासन द्वारा निर्धारित पात्रता की शर्तों के दिशा निद. ेशानुसार सत्यापन कर रिपोर्ट भेजी जानी है। उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार–प्रसार कराने के निर्देश देते हुए कहा कि सभी नगर निकायों में पात्रता एवं आनलाइन आवदेन संबंधी जानकारी प्रद. र्शित करते हुए होर्डिंग्स की स्थापना कराई जाए।डीएम ने बताया कि योजना के तहत जिले के ऐसे निवासी जिनके पास नगर निगम, नगर पालिका परिषद या नगर पंचायत कम से कम 30 वर्ग गज जमीन हैं और जिन्होंने भी इस योजना में पहले आवेदन किया था या नया करना चाहते हैं, वह सभी ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि योजना के तहत आवेदक का मोबाइल से लिंक आधार कार्ड होना अनिवार्य है। इसके साथ ही बैंक की पासबुक की छायाप्रति, आवेदक का 03 लाख रूपये वार्षिक तक का आय प्रमाण पत्र, आवेदक के परिवार के सदस्यों का आधार कार्ड, आवेदक का पैन कार्ड, आवेदक के जमीन से सम्बन्धित दस्तावेज होने चाहिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि आवेदन परिवार में महिला के नाम से कराना अनिवार्य है। सिर्फ एकल पुरुष ही परिवार में है तो अपने नाम से आवेदन कर सकता है।बैठक का संचालन करते हुए पीओ डूडा कौशल कुमार ने बताया कि जिले में 28 फरवरी तक 8604 आवेदन प्राप्त हुए हैं जिनमें 46 निराश्रित महिला, 870 विधवा, 333 वरिष्ठ नागरिक एवं 7354 अन्य आवेदक शामिल हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि प्राप्त आवेदनों का 20 मार्च तक पारदर्शिता से सटीक सत्यापन कर सर्वे का कार्य पूर्ण किया जाए। डीएम ने मुख्यमंत्री अल्प विकसित व मलिन बस्ती विकास योजना की समीक्षा में पाया कि वर्ष 2022–23 में 47 के सापेक्ष 44, वर्ष 2023–24 में 75 के सापेक्ष 46 कार्य पूर्ण हुए हैं जबकि वर्ष 2024–25 में शासन स्तर से 03 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। जिलाधिकारी ने निर्देशित किया कि अवशेष कार्यों को जल्द से जल्द पूरा कराया जाए। पीएम स्वनिधि योजना की समीक्षा में लंबित 199 आवेदनों का निस्तारण करने के निर्देश दिए। यूपीआई उपयोगकर्ता स्ट्रीट वेंडर्स की समीक्षा में बताया गया कि जिले में 38936 उपयोगकर्ताओं में से 25224 एक्टिव हैं अभियान चलाकर 2586 को एक्टिव कराया गया है। डीएम ने अवशेष 11126 की मॉनिटरिंग कर एक्टिव कराने के निर्देश दिए। इसके साथ ही बैठक में शक्ति रसोई, आश्रय गृह स्थलों के भुगतान एवं उपयो. गिता प्रमाण पत्र के संबंध में समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए बैठक में नगर आयुक्त विनोद कुमार, एडीएम प्रशासन पंकज कुमार, सहायक नगर आयुक्त राकेश कुमार समेत सभी एसडीएम एवं ईओ उपस्थित रहे।

सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सार्थक पहल से मूक–बधिर महिला को मिला अपना परिवार

अलीगढ़ रू राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली एवं उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ द्वारा सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीगढ को आदे. शित किया गया है कि वह अपने क्षेत्राधिकार में आने वाले समस्त शरणालयों का निरीक्षण करें। इसके साथ ही साथ माननीय इलाहाबाद उच्च न्यायालय द्वारा आदेशित किया गया है कि जिला न्यायाधीश अपने क्षेत्राधिकार के अन्तर्गत आने वाले समस्त आश्रय गृहो के निरीक्षण के लिए एक कमेटी गठित करें। जिला न्यायाधीश द्वारा गठित नारी आश्रय गृह समिति एवं सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्रत्येक माह मथुरा स्थित राजकीय महिला शरणालय गृह, नारी निक. ेतन मथुरा में रहने वाली अलीगढ की संवा. सिनियों का निरीक्षण किया जाता है। राजकीय महिला शरणालय गृह, नारी निक. ेतन मथुरा में अलीगढ की एक मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श(अधीक्षिका, राजकीय महिला शरणालय गृह, नारी निक. ेतन, मथुरा द्वारा दिया गया नाम) 12 अक. टूबर 2020 से रह रही थीं। सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीगढ एवं नारी आश्रय गृह समिति अलीगढ द्वारा मासिक निरीक्षण के दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी मथुरा को आदेशित किया गया था कि उक्त मूक बधिर महिला के परिजनों की खोज के लिए दैनिक समाचार पत्र में उसकी फोटो प्रकाशित करायें। 22 सितम्बर 2024 को दैनिक जागरण समाचार पत्र के मथुरा अंक में जिला प्रोबेशन अधिकारी मथुरा की ओर से उक्त मूक बधिर महिला की फोटो एवं दोनो हाथों की फोटो प्रकाशित करायी गईं। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीगढ एवं नारी आश्रय गृह समिति अलीगढ द्वारा जिला प्रोबेशन अधिकारी मथुरा को उक्त मूक बधिर महिला की फोटो समस्त दैनिक समाचार पत्रों में पुनः प्रका. शित कराने के निर्देश दिए गए हैं। 15 जनवरी 2025 को माननीय जिला न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में आयोजित यूटीआरसी बैठक के दौरान उपस्थित पुलिस अधीक्षक (अपराध) ममता कुरील को अवगत कराया गया कि उपनिरीक्षक थाना क्वार्सी द्वारा तत्कालीन अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय रंजीत सिंह के आदेश 12 अक्टूबर 2020 के द्वारा एक मूक बधिर महिला को राजकीय महिला शरणालय गृह, नारी निकेतन मथुरा में संरक्षित कराया गया था। जोकि अभी भी राजकीय महिला शरणालय गृह नारी निकेतन मथुरा में रह रही हैं। आप उक्त मूक बधिर महिला के परिजनों की खोज के लिए आवश्यक कार्यवाहीकरें08 मार्च को आयोजित होने वाली आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता के लिए जिला न्यायालय अलीगढ में नोडल अधिकारी राष्ट्रीय लोक अदालत के विश्राम कक्ष में 11 फरवरी को आयोजित बैठक में उपस्थित पुलिस अधीक्षक(अपराध) ममता कुरील से मूक बधिर महिला के परि. जनो के खोज के सम्बन्ध में उनके द्वारा की गयी कार्यवाही के सम्बन्ध में जानकारी चाही गयी। 21 फरवरी को सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव एवं नारी आश्रय गृह समिति की अध्यक्षा पारूल अत्री, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीष कक्ष संख्या–07 अलीगढ एवं सुश्री शुभ्रा प्रकाश, अपर सिविल जज(जू0डि0), अलीगढ निरीक्षण के लिए राजकीय महिला शरणालय गृह, नारी निक. ेतन, मथुरा गये।निरीक्षण के दौरान सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्तव द्वारा उसी समय अपर जिला सूचना अधिकारी श्रीमती मनोरमा सिंह के मोबाइल नम्बर 7500994994 पर वार्ता कर उन्हे आदेशित किया गया कि राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा में रहने वाली अलीगढ की मूक बधिर महिला निर्माता देवी की फोटो एवं उसके दोनो हाथों पर गुदे हुये नामों की फोटो समस्त दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित करायें ताकि उक्त मूक बधिर महिला की सूचना आमजन को हो सके, जिससे कि उसके परिजनों को खोजने में आसानी हो सके। इसके साथ ही साथ नितिन श्रीवास्तव सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा उसी समय पुलिस अधीक्षक(अपराध) ममता कुरील के मोबाइल नम्बर 9454402810 पर वार्ता कर कहा गया कि 15 जनवरी को जिला न्यायालय अलीगढ में माननीय जनपद न्यायाधीश के विश्राम कक्ष में आयोजित यूटीआरसी बैठक के दौरान आपको आदेशित किया गया था कि राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा में रह रही मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श के परिजनो की खोज के लिए राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन), मथुरा में किसी मूक बधिर विषेशज्ञ को भेजें ताकि वह मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श के इशारों को समझकर यह पता कर सके कि वह किस जिले व किस राज्य की रहने वाली हैं। इस पर पुलिस अधीक्षक(अपराध) ममता कुरील द्वारा फोन पर ही अवगत कराया गया कि आज एक पुलिस उपनिरीक्षक को इस कार्य के लिए अलीगढ से राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा भेजा जा रहा है इसी दर्मियान नितिन श्रीवास्तव द्वारा जिला विकलांग अधिकारी अलीगढरोहित सिंन्हा के मोबाइल नम्बर 8800819005 पर वार्ता कर उनसे कहा गया कि आपके यहॉ मूक वधिर प्रशिक्षक होते है जिन्हे आप राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा में रहने

वाली मूक बधिर महिला के परिजनो की पहचान के लिए भेजे, ताकि उनके परिजनो एवं घर–बार को ढूंढा जा सके। 21 फरवरी को ही एन्टी हूमन ट्रेफिकिंग उपनिरीक्षक उदयभान सिंह मय हमराह कॉस्टेबल चालक मुकेश सोलंकी व अन्य के साथ राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा जाकर उक्त मूक बधिर महिला से मिलकर व उसके दोनों हाथो पर गुदे गुदने को देखकर उसके परिजनों की खोजबीन करने का प्रयास किया। एन्टी हूमन ट्रेफि. कंग उपनिरीक्षक उदयभान सिंह एवं कास्टेबल मुकेश सोलंकी द्वारा मूक बधिर महिला के दोनों हाथों में गुदे हुये गदने में अंकित पी0एन0 ओझा, निर्माता देवी, ब्रहमा एवं असहनी को पढकर उसके गांव की पहचान कर उक्त मूक बधिर महिला के परिजनो की पहचान की गयी और वीडियो कॉल के माध्यम से उसके भाई तारकेश्वर से मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श की पहचान कराई गई। मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श के परिजनों की पहचान होने के उपरान्त अपर नगर मजिस्ट्रेट द्वितीय संजय मिश्रा द्वारा उक्त मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श को उसके परिजन को सौपने का 27 फरवरी को आद. ेश निर्गत किया गया।नारी आश्रय गृह समिति की अध्यक्षा पारूल अत्री, अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश कक्ष संख्या–07, सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नितिन श्रीवास्वत एवं अपर सिविल जज(जू0डि0), सुश्री शुभ्रा प्रकाश एवं एन्टी हूमन ट्रेफिकिंग उपनिरीक्षक उदयभान सिंह व कास्टेबल चालक मुकेश सोलंकी की उपस्थिति में राजकीय महिला शरणालय (नारी निकेतन) मथुरा में रह रही मूक बधिर महिला श्शनिर्माता देवीश्श को उसके बडे भाई तारकेश्वर ओझा एवं उसकी भाभी आशा देवी व भतीजे को 03 मार्च को सुपुर्द कराया गया। सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अलीगढ एवं नारी आश्रय गृह समिति के सदस्यों द्वारा सुपुर्दगी के समय उसके भाई को आदेशित किया गया कि वह अपनी मूक बधिर बहिन का ख्याल रखेंगे और प्रभारी अधीक्षिका राजकीय महिला शरणालय नारी निकेतन मथुरा को भी आदेशित किया गया कि वह उक्त मूक बधिर महिला से एवं उसके परिजन से सम्पर्क बनाकर हालचाल लेते रहेगें।

उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में आउटसोर्सिंग पर तैनात करीब 50 परिचालक वेतन न मिलने से परेशान

अलीगढ़ : उत्तर प्रदेश परिवहन निगम में आउटसोर्सिंग पर तैनात करीब 50 परिचालक वेतन न मिलने से परेशान हैं. जिसको लेकर मंगलवार को परिचालकों ने क्षेत्रीय प्रबंधक (आरएम) कार्यालय पर धरना प्रदर्शन किया. कर्मचारियों ने वेतन की जल्द से जल्द अदायगी करने की मांग की. उनका कहना है कि दो महीने से वेतन न मिलने के कारण उनकी आर्थिक स्थिति बिगड़ती जा रही है.बुद्ध विहार डिपो में तैनात परिचालक प्रवीण कुमार ने बताया कि हम दो महीने से बिना वेतन के काम कर रहे हैं. हमारा टेंडर 10 जनवरी को खत्म हो गया, लेकिन हमें बताया नहीं गया. अब जब वेतन मांग रहे हैं तो कहा जा रहा है कि टेंडर रिन्यू होने पर मिलेगा. हम कैसे गुजारा करें? उन्होंने कहा कि मार्च 2024 में हमारी भर्ती आउटसोर्स कंपनी के द्वारा हुई थी. दो महीने से हमें सैलरी नहीं दी जा रही है, जिसका हम लोग विरोध कर रहे हैं.उन्होंने कहा कि बुद्ध विहार डिपो से 40 से 50 बसें रोजाना निकलती थीं, लेकिन आज 8 से 10 बसें ही निकली हैं. हम लोग 40 से 50 लोग हैं जो धरने पर बैठे हैं, जब तक हमें वेतन नहीं मिलेगा जब तक हम लोग काम नहीं करेंगे. बिना सैलरी दिए पिछले 2 महीने से हमसे काम करवाया जा रहा है, अगर हमारे साथ कोई हादसा हो जाता तो इसका जिम्मेदार कौन होता? परिचालकों की मांग है कि टेंडर रिन्यू किया जाए, साथ ही रुकी हुई सैलरी दी जाए. परिचालक आलोक कुमार ने बताया कि जब तक हमारा वेतन नहीं दिया जाएगा, हम काम नहीं करेंगे. हमसे बस वादे ही किए जा रहे हैं, लेकिन अब हम प्रदर्शन करने पर मजबूर हो गए हैं. हमारी मांग है कि हमें सैलरी दी जाए अगर कंपनी नहीं दे रही तो हमें विभाग सैलरी दे.

23 मार्च को निकलेगी निशान यात्रा और 24 मार्च को होगा श्याम वंदना का आयोजन

अलीगढ़।श्री खाटू श्याम जी सेवा समिति द्वारा इस वर्ष भी भव्य निशान यात्रा एवं श्याम वंदना महोत्सव का दो दिवसीय आयोजन होगा। आपको बता दें कि इस बार यह आयोजन दो दिवसीय होगा जिसके तहत निशान यात्रा 23 मार्च को निकाली जाएगी और 24 मार्च को भव्य भजन संध्या और श्याम वंदना महोत्सव का आयोजन किया जाएगा। इतना ही नहीं श्रद्धालुओं की बढ़ती संख्या और आयोजन के प्रभाव को देखते हुए इस बार इसे और भी भव्य रूप दिया गया है और हजारों श्याम प्रेमी निशान यात्रा में भाग लेते है और पूरे श्रद्धा भाव से बाबा को निशान चढ़ाते है।यहां पर ज्योति प्रज्वलन के उपरांत सभी को निशान वितरण किया जाता है जिसे प्रेमी अपनी छत पर लगाते हैं,जिससे श्याम प्रेमी अपने परिवार को पूर्णतया सुरक्षित महसूस करते हैं। वहीं इस कार्यक्रम की जानकारी देते हुए समिति के अध्यक्ष विशाल गर्ग (बीडीके) ने बताया कि समिति प्रत्येक वर्ष श्रद्धालुओं को निशुल्क निशान उपलब्ध कराती है, जिसके लिए एक निशुल्क पंजीकरण लिंक व मोबाइल नंबर भी जारी कर दिया गया है।समिति के अध्यक्ष ने बताया एक मोबाइल नंबर पर दो अधिकतम दो निशान की बुकिंग ही वैध रहेगी और इस बार निशान श्री खाटू श्याम जी सेवा समिति के नाम से गुलाबी रंग के विशेष रूप से सूरत में तैयार कराए गए हैं साथ ही समिति के पदाधिकारियों ने सभी श्याम प्रेमियों से पीले वस्त्रों में सुबह सात बजे से मीनाक्षी पुल इमली वाली गली पर उपस्थित होने के लिए अनुरोध किया है जहां से निशान यात्रा कलश बैंक्वेट हॉल ताला नगरी को प्रस्थान करेगी। इसके अलावा श्रद्धालुओं को निशान का वितरण प्रातः छः बजे से सात बजे तक ही होगा।समिति के महामंत्री विनीत वार्ष्णेय बंटी ने बताया कि श्याम वंदना महोत्सव 24 मार्च सोमवार को शाम साढ़े छह बजे से कलश बैंक्वेट हॉल तालानगरी में रखी गई है और अलीगढ़ वासियों के लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि इसमें परम श्रद्धेय नंदकिशोर शर्मा नंदू भैया श्याम प्रेमियों को बाबा श्याम से जोड़ने के लिए अलीगढ़ पधार रहे हैं।समिति के कोषाध्यक्ष संदीप गर्ग ने बताया कि आदरणीय भैया जी श्री खाटू श्याम जी सेवा समिति के कार्यक्रम में 14 वर्ष बाद पुनः अलीगढ आगमन हेतु अपनी स्वीकृति प्रदान कर अलीगढ वासियों को गौरवान्वित किया है।इस प्रेस वार्ता में यहां पर यतेन्द्र गुप्ता,अंकित गुप्ता,हर्ष कुमार,कमल गुप्ता,दुर्गेश अग्रवाल, डीके. अग्रवाल, पुष्पेन्द्र शर्मा,विशाल मित्तल, राजीव गुप्ता विक्की,हर्ष वर्धन गुप्ता,हरीश सैनी,विशाल विक्रम,सचिन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल,लवी अग्रवाल,कमल अग्रवाल आदि श्याम प्रेमी मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

90 साल पुराने उद्योग की हाथरस में 25 फैक्ट्रियां, व्यापारी बोले- ODOP में शामिल किया जाए यह उद्योग

हाथरस का रंग–गुलाल अब देश की सीमाओं को पार कर विदेशों तक में अपनी पहचान बना चुका है। यहां का 90 साल पुराना रंग–गुलाल फिल्म इंडस्ट्री से लेकर विदेश तक पहुंच रहा है। जिले में रंग–गुलाल बनाने वाली 25 फैक्ट्रियां हैं। होली के कई महीने पहले से ही यहां उत्पादन शुरू हो जाता है।इस बार बाजार में भगवा रंग के गुलाल की मांग सबसे अधिक है। रंग उद्यमी देवेंद्र गोयल के अनुसार इस साल का सीजन बेहद अच्छा चल रहा है। काफी दूर–दूर तक माल जा रहा है। स्थानीय उद्यमियों की मांग है कि रंग–गुलाल उद्योग को एक जनपद एक

उत्पाद (व्क्ट) योजना में शामिल किया जाए।उद्यमी उदित मित्तल का कहना है कि जिस तरह हाथरस के हींग और रेडी. मेड गारमेंट्स उद्योग को सरकार ने ODOP में शामिल किया गया है, उसी तरह इस उद्योग को भी शामिल किया जाए। इससे इस उद्योग का और ज्यादा विकास होगा।जीएसटी से किया जाए मुक्त... उद्यमियों की एक और प्रमुख मांग है कि इस उद्योग को ळैज से मुक्त किया जाए। उनका मानना है कि कर में छूट मिलने से यह उद्योग और अधिक विकसित हो सकेगा। होली के त्योहार को देखते हुए लोगों में उत्साह का माहौल है और रंग–गुलाल की मांग में भी वृद्धि देखी जा रही है। काफी दूर–दूर तक माल की सप्लाई की जा रही है।

हाथरस: चंदपा कोतवाली क्षेत्र में आगरा रोड पर टेम्पो में बैठकर हाथरस आ रही एक किशोरी के साथ युवक द्वारा की गई छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया

हाथरस : चंदपा कोतवाली क्षेत्र में आगरा रोड पर टेम्पो में बैठकर हाथरस आ रही एक किशोरी के साथ युवक द्वारा की गई छेड़छाड़ के मामले में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया है. घटना 2 मार्च की थी. पुलिस अधिकारियों ने बताया कि युवकों ने किशोरी के साथ अभद्रता की थी. इस मामले में केस दर्ज किया गया है और तीनों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गयाजानकारी के मुताबिक, 2 मार्च को एक युवक ने टेम्पो सवार किशोरी के साथ छेड़छाड़ की. बाद में गांव मीतई के पास उसे टेम्पो से नीचे उतारकर अभद्रता करने लगा. वहां से गुजर रहे युवकों ने जब उसे बचाने की कोशिश की, तब उसने अपने कुछ और साथियों को बुला लिया. इसके बाद सभी ने किशोरी को बचाने वाले युवकों के साथ मारपीट की। सूचना पर पुलिस वहां पहुंची, लेकिन उससे पहले ही वह लोग भाग गए थे।तीन युकक गिरफ्तारः पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर लिया था. रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने एक आरोपी प्रिंस को सोमवार को ही गिरफ्तार कर लिया, जबकि बाकी बचे दो आरोपियों आकाश और अनमोदित को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया. एसपी चिरंजीव नाथ सिन्हा ने बताया कि 2 मार्च को एक किशोरी जब अपने घर जा रही तब तीन युवकों ने उसके साथ मारपीट और अभद्रता की थी. इस मामले में चंदपा थाना परसुसंगत धाराओं में मुकदमा दर्ज हुआ था.एक आरोपी प्रिंस की गिरफ्तारी 3 मार्च को कर ली गई थी. शेष दो अभियुक्तों को आज गिरफ्तार कर लिया गया है. उन्होंने बताया कि अभिक्तों को आज कोर्ट के समक्ष पेश किया जा रहा है. मामले की विवेचना फास्ट ट्रैक कोर्ट में करने के लिए गुजारिश की जा रही है.

हाथरस के कस्बा मुरसान में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान विवाद हो गया

हाथरस के कस्बा मुरसान में अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान विवाद हो गया। छोटे बाजार में दुकानदार अंकित अग्रवाल की दुकान पर नगर पंचायत की टीम पहुंची। टीम ने दुकान के बाहर लगे तख्त को हटाने की कोशिश की। दुकानदार ने तख्त हटाने से मना कर दिया।इस दौरान टीम से उनकी तीखी बहस हो गई। दुक. ानदार ने आरोप लगाया कि अभियान में भेदभाव किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि उन्हें जानबूझकर निशाना बनाया जा रहा है। विवाद की वजह से बाजार में भीड़ जमा हो गई। नगर पंचायत के कर्मचारियों ने दुकानदार को चेतावनी दी।कर्मचारियों ने दी चेतावनी उन्होंने कहा कि वह सरक. ारी काम में बाधा डाल रहे हैं। कर्मचारियों ने कार्रवाई की धमकी भी दी। काफी हंगामे के बाद टीम अतिक्रमण हटाकर ले गई। नगर पंचायत के अधिकारियों का कहना है कि अभियान में किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जा रहा है। वहीं दुकानदार अपने आरोप पर कायम हैं।

होली से पहले सात मार्गोंपर चलेंगी रोडवेज बस, महाकुंभ में मिली थीं 19 नई बसें

उत्तरप्रदेश परिवहन निगम के हाथरस डिपो के अधिकारियों ने अब होली के त्योहार को भुनाने की तैयारी शुरू कर दी है। त्योहार के मौके पर कई नए मार्गों पर बसें चलाने की तैयारी की जा रही है। इन बसों के लिए मार्गा निर्धारण कर दिया गया है। गौरतलब है कि महाकुंभ के दौरान ही हा. थरस डिपो को 19 नई बसें मिली हैं। इन बसों को नए मार्गों पर दौड़ाने की तैयारी की जा रही है। इन बसों के संचालन के लिए सात मार्गों का निर्धारण किया गया है। एक बस का संचालन हाथरस से पहले आगरा और फिर हरिद्वार व ऋषिकेश के लिए होगा।एक बस लखनऊ के लिए वाया इटावा और बिजनौर के लिए वाया अनूपशहर चलाई जाएगी। जलेसर से नोएडा, जलेसर से सिकंदराराऊ होते हुए मुरादाबाद, जलेसर से सिकंदराराऊ होते हुए बरेली व पीलीभीत के लिए भी एक बस चलेगी। इसके अलावा हाथरस से मथुरा होते हुए सादाबाद व एटा के रास्ते फर्रुखाबाद मार्ग पर भी बस चलाई जाएगी।ना जा रहा है कि इन बसों का संचालन होली से पहले शुरू कर दिया जाएगा। सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक हाथरस डिपो इरफान अहमद ने बताया कि नए मार्ग पर बसों के संचालन का प्रस्ताव तैयार किया जा रहा है। स्वीकृति मिलने के बाद संचालन शुरू कराया जाएगा।

हाथरस के सिकंदराराऊ में मंगलवार .दोपहर एक बजे एक सड़क हादसा हुआ

हाथरस के सिकंदराराऊ में मंगलवार दोपहर एक बजे एक सड़क हादसा हुआ। एग्जाम देकर घर लौट रहे दो छात्रों की बस की टक्कर से मौत हो गई। मृतक छात्रों की पहचान 16 वर्षीय आशीष और 15 वर्षीय अमित के रूप में हुई है।घटना सिकंदराराऊ के अलीगढ़ रोड पर नई कोर्ट के पास हुई। दोनों छात्र बाइक से यूपी बोर्ड की परीक्षा देकर अपने गांव कोडरा जहांगीरपुर जा रहे थे। इसी दौरान एटा की तरफ से आ रही एक बस ने उन्हें टक्कर मार दी। यह बस रोडवेज की अनु. बंधित बस बताई जा रही है। परिजनों को दी गई घटना की जानकारी टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर काफी भीड़ इकट्ठी हो गई। सूचना मिलते ही सिकंदराराऊ के उप जिलाधिकारी धर्मेंद्र सिंह और स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची। घटना की जानकारी मृतकों के परिजनों को दे दी गई है। घटना की सूचना मिलते ही उनके परिजन वहां पहुंच गए। पुलिस ने दोनों की डेडबॉडी को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कस्बा सिकंदराराऊ से यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्राओं को . रोडवेज बस ने अलीगढ़ रोड पर नया न्यायालय के भवन के सामने रौंद दिया

कस्बा सिकंदराराऊ से यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा देकर लौट रहे दो छात्राओं को रोडवेज बस ने अलीगढ़ रोड पर नया न्यायालय के भवन के सामने रौंद दिया। हादसे में दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही मौके पर एसडीएम, सीओ व कोतवाली प्रभारी पहुंच गये। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रोडवेज बस को चालक पंत चौराहे पर छोड़कर भाग गया। छात्रों की मौत से परिवार में कोहराम मच गया। पोस्टमार्टम हाउस पर परिवार व गांव के लोगों की भीड़ लग गई। कोतवाली सिकंद. राराऊ क्षेत्र के गांव कोंडरा जहांगीरपुर निवासी 16 वर्षीय अमित कुमार पुत्र बॉबी और 17 वर्षीय आशीष कुमार पुत्र अशोक कुमार यूपी बोर्ड हाईस्कूल की परीक्षा दे रहे थे। मंगलवार की दोपहर को वह अगसौली क्षेत्र के गांव बिधिपुर स्थित वीरांगना अवंतीबाई लोधी इंटर कॉलेज में परीक्षा देकर अपने गांव लौट रहे थे। इसी दौरान करीब एक बजे अलीगढ़ रोड स्थित नए न्यायालय के भवन के निकट ओवर ब्रिज निर्माण के पास पहुंचे तो अलीगढ़ की ओर से आ रही अनुबंधित रोडवेज बस ने बाइक सवार छात्रों को रौंद दिया। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। हादसे के बाद चालक बस को लेकर भाग जाने के बाद, उसको पंत चौराहे पर छोड़कर भाग गया। वहीं मौके पर स्थानीय लोगों की भीड़ लग गई। सूचना मिलने पर एसडीएम धर्मेंद्र सिंह चौ. हान, सीओ श्यामवीर सिंह, कोतवाली प्रभारी अरविंद राठी पुलिस बल के साथ तुरंत मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने दोनों शवों को एम्बुलेंस से पोस्टमार्टम हाउस भि. जवाया। हादसे की जानकारी मिलने पर मृतकों के परिवार में कोहराम मच गया। परिवार व गांव के लोगों की पोस्टमार्टम

हाउस पर भीड़ लग गई। एएसपी अशोक कुमार सिंह ने बताया कि रोडवेज बस की चपेट में आने से दो छात्रों की मौत हुई है। दोनों मृतक एक ही गांव के रहने वाले हैं। वह हाईस्कूल की परीक्षा देकर अपने गांव लौट रहे थे।

पहले ही चरण में लड़खड़ाई सीएम युवा उद्यमी योजना, 1500 में से 214 को ही मिला ऋण

हाथरस में मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना पहले ही कदम पर लड़खड़ाती नजर आ रही है। इसमें 1500 लोगों को उद्यमी बनाने का लक्ष्य था, 214 को ही ऋण की स्वीकृति मिल पाई है। बाकी आवेदन बैंकों में लंबित पड़े हैं।इस योजना में प्रदेश सरकार की ओर से नई औद्योगिक इकाइयों की स्थापना की जानी है। इसके लिए 21 से 40 वर्ष के प्रशिक्षित एवं शिक्षित बेरोजगार युवाओं को रोजगार दिया जाना था। उन्हें ब्याजमुक्त ऋण मुहैया कराया जाना था। खास बात यह है कि योजना में ऋण के लिए गारंटी की औपचारिकता नहीं रखी गई है। यही ऐसी शर्त है, जिसमें बैंक जोखिम नहीं उठाना चाहते और आवेदन खारिज कर देते हैं।वित्तीय वर्ष 2024–25 में जिले को 1500 इकाइयां स्थापित करने का लक्ष्य दिया गया है। माना जा रहा था कि इस योजना में लक्ष्य से कम से कम पांच गुने आवेदन बैंक को भेजे जाएं, तांकि ऋण दिए जाने के दौरान आवेदनों में बैंक के कमियां निकाले जाने के बाद भी लक्ष्य पूरा किया जा सके। ऐसे में विभाग को करीब छह हजार आवेदन बैंक में भेजने थे। अभी तक विभाग की ओर से करीब एक हजार आवेदन बैंकों को भेजे गए हैं। करीब 214 आवेदनों को ही स्वीकृति प्रदान की गई है। वित्तीय वर्ष का अंतिम माह होने के चलते अब इस योजना का लक्ष्य पूरा होता दिखाई नहीं दे रहा है।मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना को लेकर हमारे पास करीब 1000 आवेदन आए हैं, जिन्हें अग्रसारित किया जा चुका है। इसमें 214 अवेदन स्वीकृत भी हो चुके हैं। योजना में लगातार आवेदन आ रहे हैं।

हाथरस में पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे ई–रिक्शा के खिलाफ विशेष अभियान चलाया

हाथरस में पुलिस ने अवैध रूप से चल रहे ई–रिक्शा के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। पुलिस अधीक्षक चिरंजीव नाथ सिन्हा के निर्देश पर यह कार्रवाई की गई। शहर से लेकर देहात तक धड़ल्ले से बिना लाइसेंस और रजिस्ट्रेशन के ई–रिक्शा दौड़ रहे हैं। इसकी वजह से हादसे भी होते हैं। पिछले दिनों मुख्यमंत्री ने भी ऐसे ई–रिक्शा को लेकर कार्रवाई के निर्देश दिए थे।इसी क्रम में आज यातायात पुलिस ने शहर के विभिन्न इलाकों में चेकिंग अभियान चलाया। सासनी गेट चौराहा , कॉटनमील फाटक, तालाब चौराहा और पुलिस लाइन के सामने जांच की गई। इस दौरान बिना ड्राइविंग लाइसेंस, नंबर प्लेट और रजिस्ट्रेशन वाले 28 ई–रिक्शा को एमवी एक्ट के तहत सीज किया गया। पुलिस ने दोषपूर्ण नंबर प्लेट और क्षमता से अधिक सवारी ढोने वाले चालकों को यातायात नियमों के बारे में जागरूक किया।नियमों का पालन करने की अपील उन्हें सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने की अपील की गई। पुलिस का कहना है कि यातायात नियमों का पालन करने से सड़क दुर्घटनाएं कम होंगी और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी। शहर से लेकर देहात तक बड़ी संख्या में ई–रिक्शा बिना वैध कागजातों के चल रहे थे। इसी को देखते हुए पुलिस ने यह विशेष अभियान चलाया।

चचेरी बहनों के अपहरण में दो को पांच वर्ष कारावास , किशोरी के किडनैपिंग में तीन साल की सजा

हाथरस अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या एक महेंद्र श्रीवास्तव के न्यायालय ने एक 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में एक आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है।दो चचेरी बहनों के अपहरण के मामले में दो आरोपियों को न्यायालय ने दोषी करार दिया है। न्यायालय ने दोषियों को पांच–पांच वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। अपर सत्र न्यायाधीशध्एफटीसी प्रथम माधवी सिंह के न्यायालय ने यह फैसला सुनाया है। न्यायालय ने दोषियों पर अर्थदंड भी लगाया है।थाना चंदपा क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने थाने में तहरीर देकर कहा था कि उनकी 17 वर्षीय पुत्री और 15 वर्षीय भतीजी उनके पुत्र के साथ साइकिल पर सूट सिलवाने सादाबाद जा रही थीं। वह गांव बिसाना के निकट पहुंचीं, तभी एक गांव निवासी गुड्डू व पंकज निवासी नगला दल थाना पचोखरा जिला फिरोजाबाद मारुति वैन से आए और दोनों किशोरियों को जबरन गाड़ी में डालकर ले गए। उनके पुत्र को पीटकर भगा दिया और धमकी देकर घर वापस भेज दिया।इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। विवेचक ने विवेचना करते हुए न्यायालय में दोनों आरोपियों के विरुद्ध आरोपपत्र दाखिल कर दिया। मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीशध्एफटीसी प्रथम माधवी सिंह के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने दोनों पक्षों को सुनने के उपरांत दोनों आरोपियों गुड्डू और पंकज को दोषी करार देते हुए सजा का फैसला सुनाया।किशोरी के अपहरण में दोषी को तीन वर्ष का कारावास हाथरस अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या एक महेंद्र श्रीवास्तव के न्यायालय ने एक 15 वर्षीय किशोरी के अपहरण के मामले में एक आरोपी को दोषी करार देते हुए तीन वर्ष के कारावास की सजा सुनाई है। न्यायालय ने दोषी पर अर्थदंड भी लगाया है। अर्थदंड न देने पर दोषी को अतिरिक्त कारावास भोगना होगा।अभियोजन पक्ष के अनुसार थाना सिकंदराराऊ क्षेत्र के एक गांव निवासी एक व्यक्ति ने थाने में छह जुलाई 2020 को तहरीर दी थी। तहरीर में कहा था उनकी 15 वर्षीय पुत्री को सुनील कुमार निवासी ग्राम गिनौली थाना गंजडुंडवारा जनपद कासगंज बहला–फुसलाकर अपने साथ ले गया। इस मामले में मुकदमा दर्ज हुआ। इस मामले की सुनवाई अपर सत्र न्यायाधीश कोर्ट संख्या एक महेंद्र श्रीवास्तव के न्यायालय में हुई। न्यायालय ने आरोपी सुनील को दोषी करार दिया।

पीड़ित ध्यान दें
यदि आप भ्रष्टाचार, भेदभाव, अन्याय, शोषण और उत्पीड़न का शिकार हैं
यदि आपको कहीं कोई सुनवाई नहीं हो रही है।
यदि आपके आसपास किसी भी प्रकार की कोई जन सामाजिक समस्या या कोई अपराध हो रहा है तो सम्पादक 'जननायक सम्राट' को पूरे विवरण के साथ पत्र लिखकर इसकी जानकारी दें या मिलें।
इसे 'जननायक सम्राट' को प्रकाशित कर राष्ट्रीय स्तर पर उजागर किया जाएगा। पत्र भेजने वाले का पूरा नाम एवं पता देना आवश्यक है। इसे पूर्णतः गोपनीय रखा जायेगा।
मो. 8218049162
email: jannayaksamrataligarh@gmail.com
jnsnews24aligarh@gmail.com

कासगंज :छात्रवृत्ति के नए नियम, अपंजीकृत संस्थाओं के विद्यार्थियों को नहीं मिलेगी छात्रवृत्ति

कासगंज : अल्पसंख्यक कल्याण विभाग, उत्तर प्रदेश की पूर्वदशम् छात्रवृत्ति एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति नियमावली, 2023 में यह प्रावधान है कि उन्हीं निजी एनएसपी श्रेणी संस्थानों में अध्यनरत छात्र–छात्राओं को छात्रवृत्ति शुल्क प्रतिपूर्ति प्रदान की जायेगी जो एनएसपी में पंजीकृत हों।जिस संस्था में अल्पसंख्यक वर्ग के छात्र–छात्राओं द्वारा छात्रवृत्ति हेतु आवेदन किया गया है, अगर वो संस्था पंजीकृत नहीं हैं, तो उछात्रवृत्ति का लाभ नहीं मिल पायेगा। कासगंज, अमृत विचाररू जिले के दिव्यांगजनों को मुफ्त कृत्रिम अंग और सहाये उपकरण मिलेंगे।ट्राईसाइकिल, व्हीलचेयर, वैशाखी. ब्लाइण्ड छड़ी, वॉकिंग स्टीक, श्रवण यन्त्र एवं बनावटी अंग कटे हाथ–पैरों के लिये बनावटी हाथ पैर लगवाना, कैलीपर्स, जूता आदिउपकरणों के लिए आवेदन ऑनलाइन https:/divyangjanup-upsdc-gov.पद पर करें। दिव्यांग प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, आय व जाति प्रमाण पत्र, दो रंगीन फोटो सहित आवेदन पत्र की हार्डकापी जिला दिव्यांगजन सशक्तीकरण अधिकारी कार्यालय विकास भवन रूम नम्बर 13 में जमा कर दें।

कासगंज जंक्शन से कानपुर अनवरगंज जा रही ट्रेन संख्या 15040 में गंजडुंडवारा स्टेशन के पास अचानक धुआं निकलने से हड़कंप मच गया

कासगंज जंक्शन से कानपुर अनवरगंज जा रही ट्रेन संख्या 15040 में गंजडुंडवारा स्टेशन के पास अचानक धुआं निकलने से हड़कंप मच गया। कुछ यात्रियों ने ट्रेन में आग लगने की अफवाह फैला दी। इस अफवाह से घबराए यात्री ट्रेन से कूदकर भागने लगे।सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचे। जांच में पता चला कि ट्रेन में ब्रेक लगाने के दौरान ब्रेक शू पहियों से चिपक गया था। इसी कारण धुआं निकल रहा था। समस्या का समाधान करने के बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया।स्टेशन मास्टर ने बताया कि यह एक सामान्य घटना थी। उन्होंने कहा कि चेन पुलिंग होने पर ब्रेक शू ट्रेन के पहिये में चिपक जाते हैं। इससे धुआं निकलता है। ट्रेन को रिलीज करने पर ब्रेक शू का लॉक पहियों से अपने आप हट जाता है।

राज्य पर्यवेक्षक ने सीटिंग प्लान व कंट्रोल .रूम से देखी केंद्रों की व्यवस्थाएं

एटा। प्रयागराज से आए अपर शिक्षा निदेशक व अलीगढ़ मंडल के राज्य पर्यवेक्षक ने जिले में परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण कर सीटिंग प्लान को देखा। इसके बाद कंट्रोल रूम में व्यवस्थाओं को देखा। लगातार निगरानी करने के निर्देश दिए अपर शिक्षा निदेशक व अलीगढ़ मंडल के राज्य पर्यवेक्षक अजय कुमार द्विवेदी ने मंगलवार सुबह की पाली में राष्ट्रीय इंटर कॉलेज जिन्हैरा, किसान इंटर कॉलेज धिरामई में बोर्ड परीक्षा को देखा। कक्षों की व्यवस्थाओं को परखते हुए कक्ष निरीक्षकों से भी जानकारी ली। यहां सीटिंग प्लान की स्थिति को देखा। बाद में वह जीआईसी में बने कंट्रोल रूम में व्यवस्थाओं को देखने पहुंचे। यहां से कई केंद्रों की स्थिति को देखा।पर्यवेक्षक ने बताया कि परीक्षा सुचितापूर्ण चल रही है। शासन की जो मंशा है उसी के अनुसार परीक्षा को कराया जा रहा है। बताया कि वह मंडल में तीन दिनों से आए हैं। पहले अलीगढ़ में केंद्रों को देखा। बाद में हाथरस गए, वहां भी केंद्रों के अलावा कंट्रोल रूम को देखा। मंगलवार को पहले कासगंज और इसके बाद एटा के केंद्रों पर पहुंचे। पूरे मंडल में परीक्षा सही ढंग से कराई जा रही है। उनके साथ जेडी शिक्षा डॉ. मनोज गिरी भी मौजूद रहे।पेपर लीक के सवाल पर बचते नजर आए अपर शिक्षा निदेशक से हाईस्कूल के गणित के पेपर के व्हाट्सएप ग्रुप पर लीक होने के बारे में पूछा तो बोले कि बोर्ड परीक्षा के ग्रुप में पेपर किसी तरह गलती से आ गया। केंद्र व्यवस्थापक पर कार्रवाई कर दी गई। पेपर आउट नहीं हुआ था। परीक्षार्थी कक्षों में पहुंच गए थे। मोबाइल का डेटा डिलीट होने के बारे में पूछा तो बोले उन्हें इसकी जानकारी नहीं है। वहीं केंद्र व्यवस्थापक के मोबाइल नंबर के स्थान पर प्रबंधक के मोबाइल नंबर के बारे में उनका कहना था, इसकी भी जानकारी नहीं है। वह सवालों के जवाब देने से बचते नजर आए।

एटा के कोतवाली देहात क्षेत्र के गदनपुर गांव के पास बोलेरो और ऑटो की टक्कर

एटा के कोतवाली देहात क्षेत्र के गदनपुर गांव के पास बोलेरो और ऑटो की टक्कर में एक बच्ची की मौत हो गई। हादसे में पांच अन्य लोग घायल हो गए। घटना में MP&07 ZJ 5732 नंबर की बोलेरो और UP 82 AT 2137 नंबर के ऑटो की आमने–सामने टक्कर हो गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई।घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की मदद से ऑटो में फंसे यात्रियों को बाहर निकालकर अस्पताल में भर्ती कराया। घायलों में फिरोजाबाद के कुशलपुरा निवासी शिशुपाल, अंजना, मैनपुरी की रूबी बेगम और दो बच्चे– रियांशी और दिव्यांशी शामिल हैं।क.ोतवाली देहात पुलिस ने सभी घायलों को तुरंत एटा के वीरांगना अवंती बाई मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टरों ने सभी को आगरा रेफर कर दिया। आगरा के एक निजी अस्पताल में इलाज के दौरान 3 वर्षीय रियांशी की मौत हो गई थाना प्रभारी आरके सिंह ने बताया कि पुलिस ने तत्काल राहत और बचाव कार्य किया। घायलों को निजी वाहनों से अस्पताल पहुंचाया गया। मामले की जांच जारी है।

एटा में बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर कार्यालय . के सामने जूनियर इंजीनियर्स का प्रदर्शन

एटा में बिजली विभाग के चीफ इंजीनियर कार्यालय के सामने जूनियर इंजीनियर्स और एसडीओ ने जोरदार प्रदर्शन किया। विरोध का मुख्य कारण संगठन के जिला सचिव सुमित कुमार सोनी का नियम खिलाफ स्थानांतरण है।अभियंताओं का कहना है कि विभाग निजीकरण के विरोध को दबाने के लिए यह कार्रवाई कर रहा है। संगठन के नियमों के अनुसार, जिला अध्यक्ष और सचिव का स्थानांतरण उनके पद पर रहते हुए दो साल तक नहीं किया जा सकता। लेकिन इस नियम की अवहेलना करते हुए सुमित कुमार सोनी का गैर जनपद में स्थानांतरण कर दिया गया।क्षेत्रीय सचिव प्रवेश कुमार ने बताया कि कॉरपोरेशन और शासन के आदेशों के विपरीत यह स्थानांतरण किया गया है। चीफ इंजीनियर से वार्ता हुई है। समाधान निकालने का आश्वासन मिला है। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी है कि अगर स्थानांतरण रद्द नहीं किया गया तो धरना अनिश्चितकाल तक जारी रहेगा। प्रदर्शन में जिला सचिव सुमित कुमार सोनी, जेई जितेंद्र कुमार, प्रवेश कुमार और एसडीओ ज्ञानप्रकाश गुप्ता सहित कई अभियंता शामिल रहे। संगठन सोशल मीडिया और मीडिया के माध्यम से लगातार अपनी मांगें रख रहा है और निजीकरण का विरोध कर रहा है।

जिला अस्पताल में दस बेड की डायलिसिस यूनिट किडनी रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही

कासगंज रू जिला अस्पताल में दस बेड की डायलिसिस यूनिट किडनी रोगियों के लिए वरदान साबित हो रही है। किट सहित सभी खर्च कंपनी ही वहन करेगी। किडनी रोगियों को सिर्फ एक रुपये का रजिस्ट्रेशन कराना होगा। बदायूं, फर्रुखाबाद, एटा, हाथरस, अलीगढ़ के मरीजों को लाभ मिल रहा है। प्रतिदिन तीन शिफ्टों में 30 मरीजों की डायलिसिस हो रही है।जिले में 2 लाख 25 हजार की आबादी है। स्वास्थ्य विभाग के अधिकारी मरीजों को बेहतर सुविधाएं देने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। वैसे तो जिला अस्पताल में डायलिसिस की सुविधा बीती 14 जुलाई 2022 से शुरू हो चुकी है। अस्पताल में दस बेड की यूनिट लगी हुई है। प्रतिदिन तीन शिफ्टों में 30 मरीजों की डायलिसिस की जा रही है।डायलिसिस का लाभ लेने के लिए पड़ोसी जनपद फर्रुखाबाद, बदायूं, एटा, हाथरस के अलावा अलीगढ जनपद के किडनी के मरीज डायलिसिस कराने के लिए पहुंच रहे हैं। मात्र एक रुपये के रजिस्ट्रेशन में मरीजों की डायलिसिस की जा रही है। डायलिसिस शुरू होने से लोगों की सुबह से ही भीड़ लग जाती है। डायलिसिस सेंटर के प्रभारी डॉ. विशाल ने बताया कि एक रुपये की पर्ची पर डायलिसिस करने की सेवा यहां मुफ्त में दी जाती है। कंपनी किट का खर्च वहन करती है। एक डायलिसिस करने में चार घंटे का समय लग जाता है। तीन शिफ्टों में 30 मरीजों की डायलिसिस हो जाती है। ढाई साल में 1700 किडनी मरीज डायलिसिस का लाभ ले चुके हैं।डायलिसिस कराने वाले मरीज जिला अस्पताल में पहुंचकर निशुल्क विशेषज्ञ डॉक्टर को दिखाएं। विशेषज्ञ मरीज को डायलिसिस की जरूरत होने पर चिह्नित करेंगे, जिसके बाद मरीज यूनिट में आकर निशुल्क डायलिसिस के लिए रजिस्ट्रेशन करा सकेगा।डायलिसिस पूरी तरह निशुल्क है। रजिस्ट्रेशन नंबर के साथ ही मरीज को एक तिथि और समय बता दिया जाएगा। वह निर्धारित समय में डायलिसिस यूनिट पहुंचकर निशुल्क सुविधा का लाभ ले सकेगा। मरीज को कहीं भी किसी प्रकार का शुल्क नहीं देना है। अधिक जानकारी के लिए मरीज अस्पताल में संपर्क कर सकते हैं।कासगंज में डायलिसिस शुरू होने से बड़ी राहत मिली है। पहले पैसा भी खर्च होता था, और समय भी बर्बाद होता था, लेकिन यहां शुरू होने से किडनी के मरीजों को बेहतर सुविधाएं मिल रही हैं पहले कानपुर और सैफई के लिए डायलिसिस कराने के लिए जाना पड़ता था, दो दिन खराब हो जाते थे, लेकिन कासगंज में यूनिट चालू होने से समय की बचत हुई है। वह पांच साल से डायलिसिस करा रहे हैं– अन्य जिलों से आने वाले किसी भी मरीज को निराश नहीं किया जाता है। सभी से अपील की जा रही है कि जो भी डायलिसिस के लिए परेशान है, वे कासगंज आ सकते हैं। मानव सेवा करना ही सबसे बड़ा पूनीत का काम है– डॉ. विशाल माहेश्वरी, यूनिट प्रभारी। जिले में 10 बेड की डायलिसिस यूनिट तैयार है। प्रतिदिन 30 मरीजो की डायलिसिस हो रही है। अधिकांश मरीज अन्य जनपदो से आ रहे हैं। एक रुपए की पर्ची पर फ्री में डायलिसिस की जा रही है। अगर किसी को कोई परेशानी है, तो वह संपर्क कर सकता है– डॉ. संजीव सक्सेना, सीएमएस, जिला अस्पताल।

कासगंज : उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव के बैनर तले अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को दवा प्रतिनिधि सदर तहसील में हुए एकत्रित

कासगंज : उत्तर प्रदेश उत्तराखंड मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव के बैनर तले अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मंगलवार को दवा प्रतिनिधि सदर तहसील में एकत्रित हुए। यहां उन्होंने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नाम संबोधित 29 सूत्रीय मांगों का ज्ञापन नायब तहसीलदार सुमित यादव को सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांगों को पूरा करने की अपील की गई।जिलाध्यक्ष प्रदीप यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश मेडिकल सेल्स रिप्रजेंटेटिव अपनी मांगों को लेकर प्रदेश के प्रत्येक जिले में मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंप रहा है। इसी के तहत उन्होंने भी संगठन के बैनर तले कासगंज तहसील पहुंचकर अपनी मांगों का ज्ञापन दिया है। सचिव राजेश वशिष्ठ ने कहा कि केंद्र सरकार से जीडीपी का 5 प्रतिशत स्वास्थ्य सेवाओं पर व्यय करने, जीवन रक्षक दवाओं और चिकित्सा उपकरणों पर शून्य प्रतिशत जीएसटी, दवाओं की ऑनलाइन बिक्री पर रोक, अस्पतालों में मेडिकल रिप्रजेंटेटिव को काम करने से न रोकने समेत कुल 29 मांगें शामिल हैं, जिन्हें शीघ्र पूरा किया जाए।ज्ञापन देने वालों में राजकुमार विजय, कोषाध्यक्ष शाहिद खान, उपाध्यक्ष केके सक्सेना, सुजीत वर्मा, अभय तिवारी, आशीष सक्सेना, अर्पित कुमार, फैजान हाशमी, तंजीम अख्तर, अभय पाल सहित अन्य दवा प्रतिनिधि मौजूद रहे।

हर कदम फूंककर रखेगी बसपा, आकाश के संपर्क वालों पर रहेगी नजर

एटा। बसपा में इन दिनों उठापटक का दौर जारी है। भरोसेमंदों को ही पार्टी से बाहर किया जा रहा है। इसे लेकर स्थानीय पदाधिकारी भी असमंजस में हैं। मंगलवार को उन्हें अलीगढ़ मंडल बैठक में बुलाकर मजबूती का पाठ पढ़ाया। लक्ष्य है कि आकाश के संपर्क वालों पर नजर रखते हुए हर कदम फूंककर रखा जाए।उत्तराधिकारी की घोषणा के बाद जब मायावती ने भतीजे आकाश आनंद को उत्तराधिकारी घोषित किया था तो पार्टी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं में भी आक.ाश के लिए विश्वास बढ़ने लगा था। लेकिन अचानक राष्ट्रीय अध्यक्ष के यू टर्न से सभी हैरत में हैं। इस क्षेत्र में आकाश का प्रभाव बहुत अधिक नहीं है लेकिन पार्टी से निष्कासन के बाद वह प्रभाव डाल सकते हैं। इस आशंका के मद्देनजर बसपा ने अभी से काम करना शुरू कर दिया है। फैसला आने के अगले ही दिन मंगलवार को अलीगढ़ में मंडल स्तरीय बैठक बुला ली गई। इसमें अलीगढ़, हाथरस, कासगंज और एटा जिले के जिलाध्यक्ष, जिला प्रभारी, विधानसभा प्रभारियों को बुलाया गया। पार्टी की मजबूती के बहाने एकजुटता पर जोर दिया गया। बसपा जिलाध्यक्ष धर्मेंद्र सोनी ने बताया कि मंडल बैठक में विशेष तौर पर बूथ और सेक्टर समितियों के गठन पर जोर रहा। जोन प्रभारी सूरज सिंह ने सभी को मायावती के आदेश के साथ आगे बढ़ने के निर्देश दिए। आगामी विधानसभा चुनाव में अच्छा प्रदर्शन करने पर जोर दिया।

जननायक सम्राट
हिन्दी साप्ताहिक
मालिक,मुद्रक, प्रकाशक आरती वर्मा द्वारा आशु प्रिंटिंगप्रेस,अचलताल अलीगढ़ से मुद्रितकराकर . कार्यालय सरोज नगर गली नम्बर 5,अलीगढ़ से प्रकाशित
सम्पादक-अमित कुमार वर्मा
सभी विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद

आवश्यकता है
हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र जननायक सम्राट के लिए जिला व्यूरो चीफमंडल व्यूरो चीफ ब्लाक ,ब्यूरो संवाददाता की आवश्यकता है।
सम्पर्क करें -
अमित कुमार वर्मा -संम्पादक
मो:-8218049162,8273402499